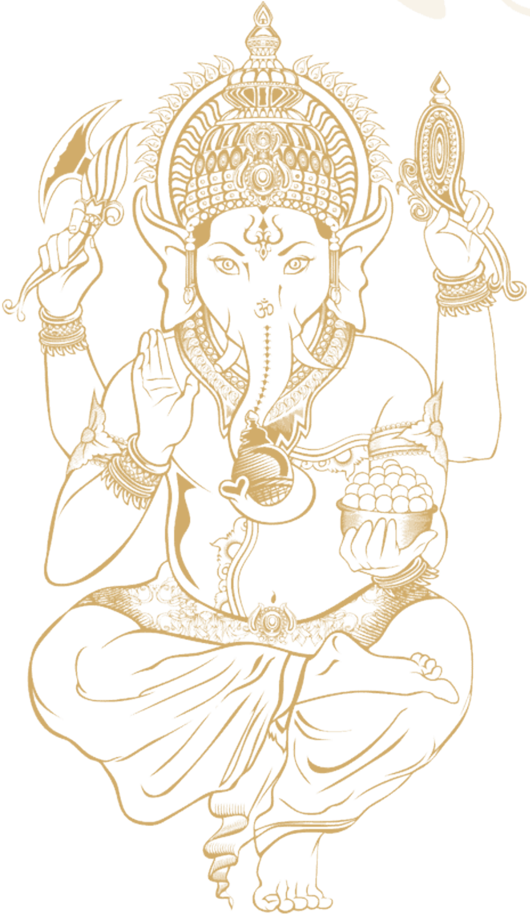

Sujal

06 Dec 1995

11:32 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121803609

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/12/1995**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**23:32:00 घंटे**
इष्ट	42:57:48 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:42:00 घंटे
वेलान्तर	00:09:13 घंटे
साम्पातिक काल	04:42:12 घंटे
सूर्योदय	06:20:52 घंटे
सूर्यास्त	17:00:47 घंटे
दिनमान	10:39:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:20:17 वृश्चिक
लग्न के अंश	18:35:17 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्ध
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:35:17	325:10:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	20:20:17	01:00:54	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	16:57:05	11:59:20	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			धनु	10:53:06	00:45:44	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	27:49:23	01:33:35	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	29:55:49	00:13:34	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			धनु	17:36:34	01:14:24	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि			कुंभ	24:23:32	00:01:35	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	01:46:42	00:07:58	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	01:46:42	00:07:58	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	04:14:17	00:02:46	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			मक	00:00:35	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:13:29	00:02:20	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	18:14:54	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:07

लग्न-चलित

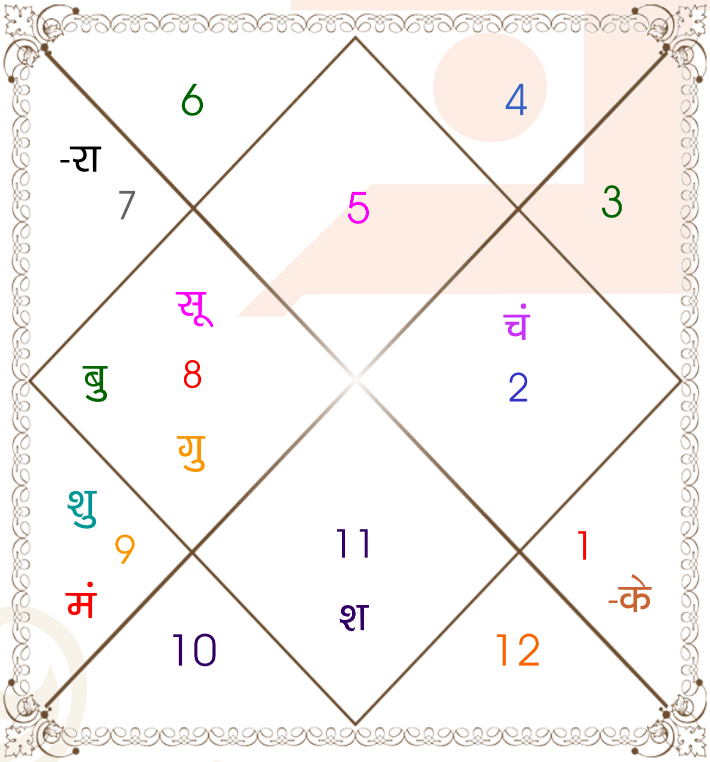

चन्द्र कुंडली

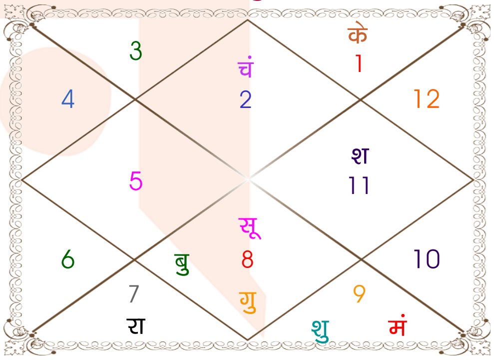

नवमांश कुंडली

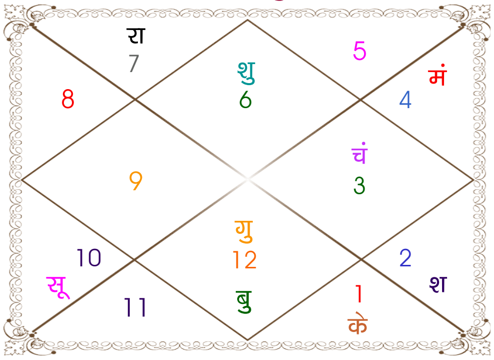

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 9 मास 13 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/12/1995		19/09/2000		19/09/2007		19/09/2025		19/09/2041	
19/09/2000		19/09/2007		19/09/2025		19/09/2041		19/09/2060	
	00/00/0000	मंगल	15/02/2001	राहु	02/06/2010	गुरु	07/11/2027	शनि	22/09/2044
	00/00/0000	राहु	05/03/2002	गुरु	25/10/2012	शनि	20/05/2030	बुध	02/06/2047
	00/00/0000	गुरु	09/02/2003	शनि	01/09/2015	बुध	25/08/2032	केतु	11/07/2048
	06/12/1995	शनि	20/03/2004	बुध	21/03/2018	केतु	01/08/2033	शुक्र	10/09/2051
शनि	20/07/1996	बुध	17/03/2005	केतु	08/04/2019	शुक्र	01/04/2036	सूर्य	22/08/2052
बुध	19/12/1997	केतु	13/08/2005	शुक्र	08/04/2022	सूर्य	18/01/2037	चंद्र	24/03/2054
केतु	20/07/1998	शुक्र	14/10/2006	सूर्य	03/03/2023	चंद्र	20/05/2038	मंगल	02/05/2055
शुक्र	20/03/2000	सूर्य	18/02/2007	चंद्र	31/08/2024	मंगल	26/04/2039	राहु	08/03/2058
सूर्य	19/09/2000	चंद्र	19/09/2007	मंगल	19/09/2025	राहु	19/09/2041	गुरु	19/09/2060

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/09/2060		19/09/2077		19/09/2084		20/09/2104		20/09/2110	
19/09/2077		19/09/2084		20/09/2104		20/09/2110		00/00/0000	
बुध	15/02/2063	केतु	15/02/2078	शुक्र	19/01/2088	सूर्य	07/01/2105	चंद्र	22/07/2111
केतु	13/02/2064	शुक्र	17/04/2079	सूर्य	18/01/2089	चंद्र	09/07/2105	मंगल	20/02/2112
शुक्र	13/12/2066	सूर्य	23/08/2079	चंद्र	19/09/2090	मंगल	14/11/2105	राहु	21/08/2113
सूर्य	20/10/2067	चंद्र	23/03/2080	मंगल	19/11/2091	राहु	09/10/2106	गुरु	21/12/2114
चंद्र	20/03/2069	मंगल	19/08/2080	राहु	19/11/2094	गुरु	28/07/2107	शनि	07/12/2115
मंगल	18/03/2070	राहु	07/09/2081	गुरु	20/07/2097	शनि	09/07/2108		00/00/0000
राहु	04/10/2072	गुरु	14/08/2082	शनि	20/09/2100	बुध	15/05/2109		00/00/0000
गुरु	10/01/2075	शनि	23/09/2083	बुध	22/07/2103	केतु	20/09/2109		00/00/0000
शनि	19/09/2077	बुध	19/09/2084	केतु	20/09/2104	शुक्र	20/09/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 9 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।